

में बनकर मोर बाबा की

में बनकर मोर बाबा की रोज मंदिर में आया करू,
नित भोर बई ओ सांवरियां में दर्शन तेरा पाया करू
में बनकर मोर बाबा की

जब मन्दिर मन्दिर आरती हो मैं शत शत उडती डोलु,
घंटी शम्भु की सुन के संग पेखो पेखो बोलू,
पंखो के अपने फैला के हो कर के मगन में नाचा करू
में बनकर मोर बाबा की

तेरी किरपा दृष्टि जो पढ़ जाए ये जीवन सवर जाए मेरा
हर सास में तेरा नाम बसे इक तू ही सहारा मेरा
जब भी भगतो के चर्चा हो मैं भगत तुम्हारे कहाया करू
में बनकर मोर बाबा की

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17150/title/main-bankar-mor-baba-ki>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |